विकार-निर्मूलन हेतु नामजप

(नामजपका महत्त्व एवं उसके प्रकारोंका अध्यात्मशास्त्र)

भूमिका

साधारणतः हिन्दुओंको यह ज्ञात होता है कि देवताका नामजप करना, उपासना है; परन्तु यह ज्ञात नहीं होता कि विकारोंके निर्मूलन हेतु भी देवताका नामजप उपयुक्त होता है । अमेरिका जैसे पश्चिमी देशोंमें ओंकारके जपपर गहन शोध होता है तथा पश्चिमी लोग ओंकारका जप कर विकारोंसे मुक्त भी होते हैं । हमारा दुर्भाग्य है कि हिन्दुस्थानमें हम हिन्दू अपने ही धर्ममें बताए गए विभिन्न प्रकारके नामजपके लाभसे अनभिज्ञ हैं । इस ग्रन्थके माध्यमसे हिन्दुओंको उनके धर्म और देवताओं की महिमा भी ज्ञात होगी ।

मनुष्यके अधिकतर शारीरिक और मानसिक विकारोंका मूल कारण आध्यात्मिक रहता है । यह कारण नष्ट करनेके लिए आध्यात्मिक स्तरपर उपचार करना पडता है । 'नामजप' एक उत्तम आध्यात्मिक उपचार है । आध्यात्मिक कारणोंमेंसे 'प्रारब्ध (भाग्य)' एक महत्त्वपूर्ण कारण है । नामजपसे रोगीका मन्द प्रारब्ध नष्ट होनेमें सहायता मिलती है, मध्यम प्रारब्ध घटता है तथा तीव्र प्रारब्ध भोगकर समाप्त करनेके लिए उसका मन तैयार होता है ।

प्रत्येक देवताके विशिष्ट कम्पन होते हैं । सम्बन्धित देवताके नामका जप करनेसे शरीरमें जो विशिष्ट कम्पन उत्पन्न होते हैं, उनसे विकारद्वारा शरीरमें उत्पन्न अप्राकृतिक या प्रमाणबाह्य कम्पन सुधारनेमें सहायता मिलती है, अर्थात विकार-निर्मूलनमें सहायता मिलती है । नामजप करनेसे केवल विकार ही ठीक होते हैं ऐसा नहीं है; अपितु विकारोंसे उत्पन्न होनेवाली वेदना और दुःख सहन करने हेतु मनोबल और शक्ति भी प्राप्त होती है ।

'नामजप' सभीके लिए सुलभ उपचार-पद्धति है । नामजपको देशकाल, शौच-अशौच, मन्त्रजपकी भांति उचित उच्चारण आदि बन्धन नहीं हैं । नामजपमें योगयागादि साधना समान कठिनता भी नहीं है । भावी आपातकालमें कभी-कभी औषधि वनस्पतियां नहीं मिल सकेंगी; परन्तु नामजपके उपचार त्रिकाल कहीं भी किए जा सकेंगे ।

प्रस्तुत ग्रन्थमें नामजपके विविध प्रकार और उसका अध्यात्मशास्त्रीय आधार दिया गया है । वह ज्ञात होनेके कारण नामजपके प्रति श्रद्धा उत्पन्न होनेमें सहायता मिलती है । वर्तमान कलियुगके मानवका अध्यात्मशास्त्रकी अपेक्षा विज्ञानपर अधिक विश्वास होता है । नामजप उपचार-पद्धतिके सन्दर्भमें वैज्ञानिक प्रणालीसे किए गए शोधके प्रयोग भी ग्रन्थमें स्थान-स्थानपर दिए गए हैं । उन प्रयोगोंका विवेचन पढकर विज्ञानवादियोंकी भी नामजपपर श्रद्धा उत्पन्न होनेमें सहायता मिलेगी ।

भविष्यमें स्थापित होनेवाले ईश्वरीय राज्यमें (हिन्दू राष्ट्रमें) विद्यालय और महाविद्यालय स्तरकी शिक्षामें नामजपकी उपचार-पद्धति का समावेश किया जाएगा । इससे आगामी पीढीको विकारोंके कारण भोगे जानेवाले दुःखको न्यून करनेका एक सरल मार्ग छोटी आयुमें ही ज्ञात हो जाएगा ।

'नामजपके उपचार कर अधिकाधिक रोगी शीघ्रातिशीघ्र विकारमुक्त हों', ऐसी श्री गुरुचरणोंमें और विश्वके पालनकर्ता श्री नारायणके चरणोंमें प्रार्थना है ! – **संकलनकर्ता**

भावजागृति हेतु उपयुक्त सनातनका लघुग्रन्थ !

प्रार्थना (महत्त्व एवं उदाहरण)

विद्यार्थी, गृहिणी, रोगी...सभीके लिए उपयुक्त !

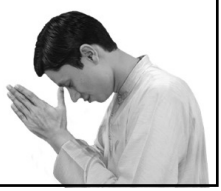

अनुक्रमणिका

१. 'जप' शब्दकी व्युत्पत्ति एवं अर्थ तथा 'नामजप' शब्दका अर्थ १४

२. 'नामजप' सभीके लिए सरल उपचार-पद्धति ! १४

३. विकार-निर्मूलनकी दृष्टिसे नामजपका महत्त्व १६

४. विशिष्ट विकारपर विशिष्ट देवताका उपयुक्त नामजप करनेसे इन्द्रियोंकी विकृति दूर होनेकी प्रक्रिया १७

५. विकार-निर्मूलनके लिए उपयुक्त नामजपके विविध प्रकार और उनका अध्यात्मशास्त्र १८

५ अ. देवताओंकी प्रमुख गुण-विशेषताएं तथा कार्योंके अनुसार देवताओंके नामजप १८

५ आ. पंचमहाभूतोंके (पंचतत्त्वोंके) आधिपत्यानुसार नामजप १९

५ इ. आयुर्वेदके अनुसार मनुष्यकी देहमें विद्यमान त्रिदोष और उनके विकारोंके लिए देवताओंके नामजप २७

५ ई. मानवी देहके विविध अवयवोंके विकारोंके लिए उपयुक्त श्रीविष्णुके विशिष्ट नामोंके जप ३०

५ उ. इन्द्रियोंके विकारोंके लिए उनके देवताओंके उपचारी जप ३०

५ ऊ. मनुष्यके विविध अवयवोंके विकारोंके लिए उपयुक्त 'देवीकवच'के कुछ श्लोकोंमें दिए देवियोंके नामोंके जप ३२

५ ए. मनुष्यके विविध विकारोंके लिए 'ज्योतिषशास्त्र'के अनुसार उपचारी नामजप ३२

५ ऐ. बीजमन्त्र ३३

५ ओ. शब्दब्रह्म (गायत्री मन्त्रमें विद्यमान शब्दोंके नामजप) ४२

५ औ. अक्षरब्रह्म (देवता तत्त्व / शक्ति सम्पुटित अक्षरोंका नामजप) ४३

५ अं. अंकजप ४४

६. देवता, देवताओंसे सम्बन्धित पंचतत्त्व, पंचतत्त्वोंसे सम्बन्धित मुद्रा तथा न्यासस्थानोंका, उपचार करनेकी दृष्टिसे परस्पर सम्बन्ध ४५

७. नामजप, मुद्रा और न्यास की उपयुक्तता सिद्ध करनेवाले चिकित्सकीय शोध और वैज्ञानिक परीक्षण ५०

८. दमेसे (अस्थमासे) पीडित साधकद्वारा 'ॐ नमः शिवाय' नामजप करनेके सूक्ष्म स्तरीय लाभ दर्शानेवाला चित्र ६०

९. नामजपके उपचारोंके साथ ही प्रतिदिन साधना करनेका महत्त्व ६६

१०. भीषण आपदाओंसे बचनेके लिए साधना करना तथा भगवानका भक्त बनना अपरिहार्य ! ६७

卐 परिशिष्ट १ : विविध प्रकारकी अनुभूतियां देनेवाले अंकजप ६८

आनन्दप्राप्ति हेतु सनातनका साधनासम्बन्धी ग्रन्थ !

आधुनिक विज्ञानसे श्रेष्ठ अध्यात्म !

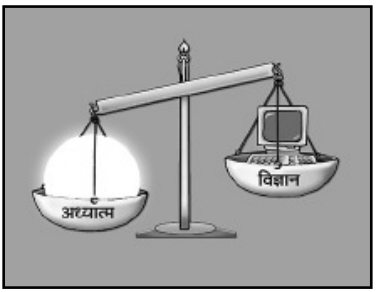

- 卐 आधुनिक विज्ञानसे हानि, तथा मर्यादाएं क्या हैं ?
- 卐 अध्यात्म एवं विज्ञान में क्या भेद (अन्तर) है ?
- 卐 'वृद्धापकालमें साधना करेंगे', यह विचार अयोग्य क्यों है ?
- 卐 विज्ञानके योग्य विकासके लिए हिन्दू धर्म पोषक कैसे है ?